



2072/89

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

PART III—Section 4

भाग III—खण्ड 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

लो. 42)

नई दिल्ली, भारतवार, सितम्बर 27, 1988/आश्विन 5, 1910

No. 42] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 27, 1988/ASVIANA 5, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

पंजाब एण्ड सिध बैंक

(फार्मिक विभाग)

प्रधिकारी

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1988

सं. पी. एस. बी/स्टाफ/ओ.एस. प्रार्थना/88.—बैंकिंग कम्पनीज (उक्तकम्पों का
प्रार्थन और प्रत्तरण) प्रधिकारीय, 1970 (1970 का 5) के खण्ड 19 में
प्रकल्प प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक की सनाहाएवं
केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से पंजाब एण्ड सिध बैंक के निदेशक
मंडल के सरक्षण एवं द्वारा पंजाब एण्ड सिध बैंक (प्रधिकारी) सेवा विनियम,
1982 में संशोधन हेतु निम्न विनियम बनाये हैं।

(2) संशिक्षण भीर्षक एवं प्रार्थना.—(i) इन विनियमों को पंजाब एण्ड सिध बैंक (प्रधिकारी) सेवा (संशोधन) विनियम, 1982 कहा जायेगा।

(ii) यह विनियम सरकारी गजट में प्रकाशन की विधि से नागरिकों

1-5-1986 से पी.एस.बी. (प्रधिकारी) सेवा विनियम, 1982 के
विनियम, 20 को निम्नलिखित किया जाता है :

20(1) विनियम 16 के उत्तरान्तर (3) के अधीन रखने हुए,
बैंक किसी प्रधिकारी की सेवाओं का पर्याप्तता नीति माप की विधि

सूचना या उसके बजले में उसे नीति माप की परिवर्तियों का सदाचार करके
कर सकेगा।

(2) कोई भी प्रधिकारी बैंक की सेवा से नागरिक द्वारा पर लागत
की नीति माप की विधि सूचना के अवधारण नर स्त्री कर सकेगा।
अन्यथा नहीं, यह सूचना हर विविधमें उत्तेजक के अनुसार
संक्षेप प्रधिकारी को दी जानी चाहिए।

परन्तु, सभी प्रधिकारी नीति माप को अवधि को प्रदान करेगा या
सूचना की अपेक्षा का परिवर्तन कर सकेगा।

(3क) उत्तरान्तर (2) में जारित दिनों बात के अन्यथा होने
हुए भी एसा कोई भी प्रधिकारी जिसकी अनुगमनिक कार्रवाई
प्रभी तक अतिरिक्त है वह सरकार प्रतिभारों के वित्ती तौर
पर पूर्व अनुमोदन के बगैर न तो बैंक छोड़ सकता है और न
ही व्यापक देवकरा है। किंतु भी प्रधिकारी द्वारा लोगों
की सूचना अनुगमनिक कार्रवाई से पहले और बैंक में
विद्ये जाने पर तब तक प्रभावी नहीं भी जायेंगे जब तक कि
वह सभी प्रधिकारी द्वारा संशोधन नहीं हो जानी।

(4) किसी कर्मचारी के विशेष अनुगमनिक कार्रवाई को इस
विनियम के प्रयोगान्तर हेतु लम्बित माना जाएगा। प्रदूष

कार्रवाई को नियमित किया गया हो या कारण बातों नोटिस जारी किया गया हो कि क्यों न उसके विषद् अनुसार निकार कार्रवाई की जाए या कोई प्रारोप पत्र उसके विषद् जारी किया गया हो, तब तक सभी लिखित समझौतों जारी, जब तक सकाम प्राधिकारी द्वारा अस्तित्व पारित नहीं किये जाते।

(ग) यदि कोई कर्मचारी दुर्घटवहार के प्रारोप में बैंक सेवा से निवृत्ति किया गया हो तो उसे वेतन नहीं किया जायेगा और न ही उसे प्रमितार्थी सेवा निवृत्ति की लिये पर पहुँचने पर सेवा निवृत्त होने दिया जायेगा जब तक उसके प्रारोपों को जब समाप्त नहीं हो जाते और उन्हियां अब तक नहीं हो जाते उसे बैंक सेवाओं में हो रखा जायेगा।

II. दिनांक 1-8-86 से पंजाब एंड सिव बैंक (प्रधिकारी) सेवा विनियम 1982 के विनियम (1) के द्वितीय परन्तुक के अस्वासु निम्न परन्तुक जोड़ा गया है:—

“परन्तु यह और कि उनविनियम (2) के अनुसार सकाम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रार्देश से असंतुष्ट प्रधिकारी प्रार्देश के पारित होने के एक मात्र के अन्वर सकाम प्राधिकारी के लिये विषद् निवेशक मंडल को लिखित रूप से अपना अन्यावेशन प्रस्तुत करें, तथा संबंधित प्रधिकारी के अप्यावेशन पर निर्देशक मंडल तीन मात्र के भीतर उस पर विचार कर निर्णय लेंगा। यदि निर्देशक मंडल यह निर्णय लेता है कि सकाम प्राधिकारी द्वारा पारित किया गया प्रार्देश अन्योनित नहीं है तो संबंधित प्रधिकारी की सेवा में पुनः बहाल किया जायेगा, भले ही सकाम प्राधिकारी द्वारा कोई प्रार्देश न दिया जाया हो।”

III. दिनांक 1-2-84 से विनियम 23(5) के नीचे दिये गये परन्तुक को निरस्त कर एक अस्य परन्तुक निम्न प्रकार से दिया गया है:—

“इसके प्रतिरिक्त यदि किसी प्रधिकारी को बैंक के प्रशिक्षण संस्थान, जिला औद्योगिक केन्द्र प्रबन्ध बैंकिंग सेवा भर्ती बोर्ड में प्रतिनियुक्त पर भेजा जाता है तो उसे उसके मूल वेतन का 10 प्रतिशत प्रति नियुक्ति भर्ते के रूप में दिया जायेगा बरतें कि उसके पहले मूल विवाह में समर्यासमय पर दिये जाने वाले मूल वेतन एवं प्रतिनियुक्ति भर्ते का कुल बोग प्रतिनियुक्ति के पर के प्रतिक्रिया वेतनमान से प्रधिक न हो।”

IV. “दिनांक 1-10-86 से पंजाब एंड सिव बैंक (प्रधिकारी) सेवा विनियम, 1982 को निम्न प्रकार से संशोधित किया गया है:—

“विनियम 12(2) उनविनियम (3) के उपवन्धित के अलावा जहां किसी प्रधिकारी ने ऐसे विकल्प का प्रयोग किया है वहां वह नियत कार्रवाई से ठीक पूर्व बैंक को सेवा में के अपने हक के अनुसार वेतन और भले प्राप्त करता रहेगा:

परन्तु किसी वह प्रधिकारी ऐसे हक के प्रधीन परिलिंगियों का पाप होगा, किन्तु केवल ऐसी परिलिंगियों का हकवार हीगा जो उसे इस विनियमों के प्रधीन प्रान्त्रित होनेवाला है।

V. दिनांक 1-10-86 से पंजाब एंड सिव बैंक (प्रधिकारी) सेवा विनियम, 1982 के विनियम 12(3) में भी निम्न विनियम 12(3) जोड़ा गया है:

“ऐसा कोई भी प्रधिकारी जिसने उपविनियम (1) में दिए गये विकल्प का प्रयोग किया हो और जो बैंक की सेवाओं में विनियम

तिथि से ठीक पूर्व-उपविनियम 2 के अन्तर्गत प्रभावी पालना के अनुसार वेतन व भले प्राप्त कर रहा हो, उसे हन विनियमों के अन्तर्गत देय वेतन व भले 1-2-84 से प्राप्त करने के विकल्प की छठ होगी। ऐसे विकल्प का प्रयोग करने पर विनियम 8 के अनुसार उन नियन्त्रित किये गए कानूनीकृत तौर पर वेतनमान में रक्ता जायेगा और उसे वेतन वृद्धि देने के पश्चात् जो कि उसे इन विनियमों के अनुसार 31-1-84 का मिलती, उसे 1-2-84 के विनियम 4(1) में उल्लिखित वेतनमान में भारत सरकार के मार्गदर्शी नियमांत्रों के अनुहान नियन्त्रित किया जायेगा:

वर्तमान कि यदि विवरण के पश्चात् इन विनियमों के अन्तर्गत वेतन और भले का कूल जोड़ उसे 31-1-84 से पहले मिलने वाले कूल वेतन एवं भले से कम है तो उनके अन्वर की रायि उसे वैयक्तिक भले के रूप में दिया जायेगा जिसकी भावी वेतनवृद्धियों में ऐसी प्रवृद्धि वेतन वृद्धि के 33-1/3 प्रतिशत की मीमा तक अवश्य ऐसी वेतन-वृद्धि के परिणाम स्वरूप वेतन में होने वाली 33-1/3 प्रतिशत की वृद्धि, इन में से जो भी कम हो, प्रामेलित किया जायेगा।”

VI. दिनांक 1-10-86 से पंजाब एंड सिव बैंक (प्रधिकारी) सेवा विनियम, 1982 के विनियम 6(2) को निम्न प्रकार से संशोधित किया जाता है:

“विनियम 6(2) उनविनियम (1) के अधीन वाले पर्दों के प्रवर्गीकरण के प्रयोग के निर, बैंक की प्रवर्गीकृत भावावा, सरकार द्वारा अनुमोदित मानदंडों के अनुसार, बैंक द्वारा छोड़े, मध्यम, वडे या प्रामाण्यारणतया बड़े प्रवर्गों के रूप में वर्गीकृत की जायेगी।”

VII. दिनांक 1-8-86 से पंजाब एंड सिव बैंक (प्रधिकारी) सेवा विनियम, 1982 के विनियम 19 को निम्न प्रकार से संशोधित किया गया है:

“उपरोक्त विनियम में जहां भी “कोटी” प्रयोग “विशेष कमेटी” प्रबन्ध आया है वहां इन शब्दों के पश्चात् “/कमेटी” प्रयोग “/विशेष कमेटी” प्रबन्ध लगाया जाये।

VIII. 1-1-86 से पंजाब एंड सिव बैंक (प्रधिकारी) सेवा विनियम 1982 के विनियम 41(1) को निम्न प्रकार से संशोधित किया गया है:

विनियम 41(1) में जहां कही भी शब्दों एवं अंकों में 2675/- एवं 3000/- आया है उन्हें शब्दों एवं अंकों में “2650/- एवं 2925/-” द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये।

IX. 1-4-87 से पंजाब एंड सिव बैंक (प्रधिकारी) सेवा विनियम, 1982 के विनियम 22(3)(ii) को निम्न प्रकार से संशोधित किया गया है:

“निवास स्थान की पूँजी लागत का 12 प्रतिशत, जिसके प्रत्यक्षत भूमि की लागत भी है और यदि निवास स्थान कसी भवन का चाग है तो उस भूमि की पूँजी लागत का बंड अपारिक हिस्सा जो उस निवास स्थान का माना जा सकता है, किन्तु इसके प्रत्यक्षत विशेष किसिवार, जैसे बानानुकूलक मही है,

X. दिनांक 1-1-87 से पंजाब एंड सिव बैंक (प्रधिकारी) सेवा विनियम, 1982 के विनियम 41(4) को निम्न प्रकार से संशोधित किया गया है:

“41(4)---दिनांक 1-1-87 की एवं से नीचे दी गई गारंटी के स्तम्भ 1 में उपविनियम वेतन पराम में प्रधिकारी उसके स्तम्भ 2 में उन्वनियत सत्संबंधी वरों पर विराम भले का हस्ताक्षर होगा।

I में उपवर्णित बेतन पराम में अधिकारी उसके स्तरम् 2 में उपवर्णित तत्संबंधी दरों पर विराम भत्ते का हक्कदार होगा :

सारणी

अधिकारी का बेतन पराम	दिनिक भत्ता (रुपये)		
	प्रमुख "क"	धेत्र I	अन्य स्थान
वर्ष नगर			
1	2		
बेतनमान 6 एवं 7	100.00	80.00	60.00
बेतनमान 4 एवं 5	100.00	80.00	60.00
बेतनमान 2 एवं 3	70.00	60.00	50.00
बेतनमान 1	70.00	60.00	50.00

बत्तें कि:

(क) जहाँ प्रनुपस्थिति की फुल अवधि 8 घण्टे से कम किन्तु 4 घण्टों से अधिक है तो विराम भत्ता उपर्युक्त दरों से आधी वर पर संवेद्य होगा।

(ख) विभिन्न घेड़ों/बेतनमान में कार्यस्त अधिकारियों को वास्तविक होटल खर्च की प्रतिपूति जो कि भारतीय पर्यटन विकास निगम के एकल कमरे के प्रभार से अधिक न हो, निम्न सीमा में की जायेगी:

अधिकारी का घेड़/ बेतनमान	ठहरने की पात्रता		आनपान प्रभार (रुपये)		
	प्रमुख "क"	धेत्र-I	अन्य	वर्ष नगर	स्थान
बेतनमान 6 एवं 7	4 सितारा होटल	100.00	80.00	60.00	
बेतनमान 4 एवं 5	3 सिसारा होटल	100.00	80.00	60.00	
बेतनमान 2 एवं 3	2 सितारा होटल (वासानकूलक नहीं)	70.00	60.00	50.00	
बेतनमान--1	1 सितारा होटल (वासानकूलक नहीं)	70.00	60.00	50.00	

(ग) जहाँ किसी विराम स्थान पर निःशुल्क आवास की अवस्था की जाती है, वहाँ विराम भत्ते का 3/4 अनुदेय होगा।

(घ) जहाँ किसी विराम स्थान पर निःशुल्क भोजन की अवस्था की जाती है वहाँ विराम भत्ते का 1/2 अनुदेय होगा।

(ङ) जहाँ किसी विराम स्थान पर निःशुल्क आवास और निःशुल्क भोजन की अवस्था की जाती है वहाँ विराम भत्ते का 1/4 अनुदेय होगा।

(च) सभी निरीक्षण अधिकारियों को निरीक्षण कार्य पर मुख्यालय से बाहर विराम के लिये प्रतिविनि 5 रुपये के हिसाब से प्रत्युपरक दिनिक भत्ते का मंदाय किया जा सकेगा।

रूपरेखा

विराम भत्ते की मंदायन के प्रयोजन के लिए "प्रतिविनि" से 24 घण्टे की प्रत्येक अवधि या उम्रवां पश्चात्यर्ती भाग अधिकृत है, जिसकी गणना

पायथ्याना द्वारा आवास की दशा में, स्थान के लिए रिपोर्ट करने के समय से, और अन्य दशाओं में स्थान के अनुपस्थित समय से पूर्ववर्ते के वास्तविक समय तक की जायेगी। जहाँ प्रनुपस्थिति की फुल अवधि 24 घण्टे से कम है, वहाँ "प्रतिविनि" से कम से कम 8 घण्टे की अवधि अनिवार्य है।

11. दिनांक 1-1-87 से पंजाब एवं सिध्ध बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम 1982 के विनियम 23(4) को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाता है:

दिनांक 1-1-87 को एवं से यदि किसी अधिकारी को शैक्षिक वर्ष के बीच में एक स्थान से दूसरे स्थान को अन्तरित किया जाता है और यदि उसकी एक भा अधिक संतान पूर्ववर्ती स्थान में विद्यालय या महाविद्यालय में अध्ययन कर रही है तो उस तारीख से जिस सारीक भी वह पश्चात कथित स्थान पर रिपोर्ट करती है, शैक्षिक वर्ष के अंत तक, सभी संतानों की आवधि 150/- रुपये प्रतिमास शैक्षिक वर्ष के मध्य प्रत्यरूपण भत्ता : परन्तु ऐसा भत्ता उस दशा में बन्द हो जायेगा। जब सधा संतान पूर्ववर्ती स्थान पर अध्ययन करना बंद कर देंगी।

12. दिनांक 1-1-85 से पंजाब एवं सिध्ध बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम, 1982 के विनियम 23(6) को निम्न द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है:

23(6) दिनांक 1-1-85 को एवं से यदि उससे कम से कम 7 दिन की नियन्त्रण अवधि के लिए या किसी किलोग्राम के बीचत कुम सात दिन के लिए किसी उच्चतर घेड़ में किसी पद पर स्थानापन के रूप में कार्य करने की अपेक्षा की जाती है तो उसे उस अवधि के लिए उसके बेतन का 10% स्थानापन भत्ते के रूप में दिया जावेगा और कि 250/- प्रतिमास से अधिक नहीं होगा। स्थानापन भत्ता अवधि नियम के प्रयोजनों के लिए बेतन होगा और अन्य प्रयोजनों के लिए नहीं होगा।

परन्तु यदि कोई अधिकारी मात्र विनियम 6 के प्रवीन पदों के प्रवर्तीकरण के पूर्वविलोकन के परिणामस्वरूप उच्चतर बेतनमान में स्थानापन के रूप में कार्य करता है तो वह उस तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए स्थानापन भत्ते का पाल नहीं होगा जिस तारीख को प्रवर्गण करने का पूर्वविलोकन प्रभावी होता है।

13. 1-1-85 से पंजाब एवं सिध्ध बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम 1982 के विनियम 23(10) को निम्न से प्रतिस्थापित किया गया है:

दिनांक 1-1-85 को एवं से यदि वह नीचे दी गई सारणी के स्तरम् 1 में उल्लिखित स्थान पर सेवारत है तो उसके स्तरम् 2 में उस स्थान के सामने उल्लिखित धर पर पहुँच और ईंधन भत्ता—

सारणी

स्थान	धर
माध्यमध्य तल से 1500 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई पर स्थित कार्यालय	बेतन का 10 प्रतिशत जो अधिक से
माध्यमध्य तल से 1000 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई पर स्थित कार्यालय	प्रतिक 130 रु. प्रतिमास होगा।
माध्यमध्य तल से 1000 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई पर स्थित कार्यालय	प्रतिक 100 रु. प्रतिमास होगा।

14. दिनांक 1-1-87 से पंजाब एवं सिध्ध बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम 1982 के विनियम 24(1) (ख) में खण्ड 4 के वर्षात, निम्न-लिखित खण्ड (5) जोड़ा गया है:

24(1) (5) दिनांक 1-1-87 को एवं से निम्नलिखित अधिकारियों में जिनमें स्थानी आवास पर सेवारत की प्राप्तव्यकरता हो जिसे मात्रता

प्राप्त अस्पताल के प्राधिकारी पर्व बैंक के चिकित्सा प्रधिकारी द्वारा प्रमाणित हो, निम्न श्रीमार्यियों पर व्यव किया गया चिकित्सीय व्यव, अस्पताल में भर्ती हुए व्यव समाजा जायेगा एवं इन प्रधारों की किसी प्रधिकारी के स्वयं की दशा में 75% तथा परिवार के सदस्यों की दशा में 50% तक प्रतिपूर्ति की जायेगी।

केंद्र, तपेदिक, सकारा, हृदयरोग, ट्रॉमर, चेचक, प्लूरसी, डिप्पोरिया, कूप्ट रोग एवं गूर्दे की श्रीमार्यियों।

15. विनाक 1-1-87 से पंजाब एण्ड सिध बैंक (प्रधिकारी) देश विनियम 1982 का विनियम 42(2)(II) निम्न द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है:

42(2)(II)—विनाक 1-1-87 को एवं से यदि स्पानान्तरण पर कोई प्रधिकारी परे वेतन के उपयोग का पाल है एवं यदि वह रेखे की कंटेनर सेवा की सुविधा प्राप्त करता है तो कनिष्ठ प्रधारा मध्यम प्रबंधन बैंक की दशा में उसे एक कंटेनर के वास्तविक प्रधार की प्रतिपूर्ति की जायेगी एवं बरिष्ठ प्रबंधन बैंक प्रधारा शीर्षस्थ कार्यपालक बैंक की दशा में उसे वो कंटेनर के वास्तविक प्रधार की प्रतिपूर्ति की जायेगी। पूर्व एवं वर्तमान नियुक्ति स्थल यदि रेल मार्ग से जड़े हैं एवं उनके मध्य सामान का परिवहन लारी द्वारा किया जाता है तो प्रतिपूर्ति विल प्रस्तुत किए जाने पर माल गाड़ी द्वारा अनुज्ञय प्रधिकारी मालाके का परिवहन की लागत तक प्रधारा वास्तविक माल भाड़ा प्रधार जो भी कम हो तक सीमित होती। पूर्व प्रधारा वर्तमान नियुक्ति स्थल पर कोई रेलवे स्टेशन प्रधारा रेलवे आउट एजेंसी नहीं होने की दशा में प्रधिकारी नियुक्ति स्थल पर किया जायेगा।

पूर्व एवं वर्तमान नियुक्ति स्थल पर रेलवे स्टेशन/रेलवे आउट एजेंसी नहीं होने की दशा में प्रधिकारी जो अनुमोदित परिवहन वास्तविक द्वारा नियम भार की भीमा तक वास्तविक परिवहन मूल्य का भगाना किया जा सकेगा।

16. दिनांक 1-1-87 से पंजाब एण्ड सिध बैंक (प्रधिकारी) देश विनियम 1982 का विनियम 42(3) निम्न द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है:

42(3) 1-1-87 को एवं से स्पानान्तरण पर प्रधिकारी बैंकिंग स्थानीय परिवहन और सामान का भीमा करने लेनु निम्न प्रकार से एक मण्ड राणि पाने का हकदार होगा:

बैंक	एक मुक्त राणि
शीर्षस्थ एवं बरिष्ठ	1500/- रु.
प्रबंधन	

मध्यम एवं कनिष्ठ प्रबंधन

1000/- रु.

17. 1-1-87 से विनियम 44(ii) निम्न द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है:

44(ii) विनाक 1-1-87 को एवं से जब कोई प्रधिकारी प्रत्येक चार वर्ष में एक बार छुट्टी यात्रा रियायत लेता है तब उसे एक समय से प्रधिकारी से प्रधिक एक भाग की अपनी विशेषाधिकार छुट्टी अस्थिरित करने और उसके लिए नकद राणि प्राप्त करने की अनुमति दी जा सकेगी, परी नकद राणि प्राप्त करने के प्रयोग के लिए उस माह की जिसमें छुट्टी यात्रा गियायत भूमि होती है, की भर्ती परिस्थितों अनुज्ञय होगी।

परस्त यदि कोई प्रधिकारी अपनी एक दिन की विशेषाधिकार छुट्टी को नकद राणि प्रधानमंत्री राहत कोष में भेजने की प्राधिकृत करने की स्थिति में उसे एक दिन की अतिरिक्त विशेषाधिकार छुट्टी प्रभ्यपूर्ति करने तथा नकद राणि प्राप्त करने की अनुमति दी जा सकेगी।

18. विनाक 1-1-85 से पंजाब एण्ड सिध बैंक (प्रधिकारी) देश विनियम 1982 के विनियम 5(1) के अन्म में निम्न परस्तु जोड़ा गया है:

“यदि कनिष्ठ प्रबंधन बैंक वेतनमान-1 एवं मध्यम प्रबंधन बैंक वेतनमान 2 एवं 3 में कोई प्रधिकारी अपने उच्चतम वेतनमान तक पहुंच जाता है तो ऐसी दशा में कनिष्ठ प्रबंधन के ब्रेड वेतनमान के प्रधिकारी को पूरे पांच वर्ष के अन्तर में वो वेतन वृद्धिया अनियम वेतन वृद्धि के सममूल्य एवं मध्यम प्रबंधन बैंक वेतनमान 2 एवं 3 के प्रधिकारी को एक वेतन वृद्धि अन्तिम वेतन वृद्धि के सममूल्य पर गतिहीनता वेतन वृद्धि के रूप में दी जा सकेगी।

उन प्रधिकारियों के मामले में जिन्होंने अपने उच्चतम वेतनमान में 5 वर्ष पूरे कर लिए हैं उन्हें देयनिय पर अवधि 1-1-85, जो भी बाद को लिया जाए, के लिए गतिहीनता वेतन वृद्धि दी जा सकेगी। किन्तु पांच प्रधिकारियों को हम तरह की द्वितीय वेतन वृद्धि 1-1-87 के पश्चात् दी जा सकती।

19. दिनांक 1-2-84 से पंजाब एण्ड सिध बैंक (प्रधिकारी) देश विनियम 1982 के विनियम 5(2) के अन्म में निम्न परस्तु जोड़ा जाता है:

विनाक 1-2-84 को एवं से जो प्रधिकारी अपने उच्चतम वेतनमान में पहुंच गये हैं उन्हें सी.ए.आई.आई.बी. भाग-1 पास करने पर 100 रुपये प्रतिमाह व्यवसायिक योग्यता भत्ता उच्चतम वेतनमान में एक वर्ष पूरा कर लेने के पश्चात मिलेगा एवं जिन्होंने सी.ए.आई.आई.बी. भाग-2 पास किया हो उन्हें 200 रुपये प्रतिमाह व्यवसायिक योग्यता भत्ता उच्चतम वेतनमान में दो वर्ष पूरे कर लेने के पश्चात मिलेगा।

20. 1-2-84 से पंजाब एण्ड सिध बैंक (प्रधिकारी) देश विनियम 1982 निम्न द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है:

विनियम 22(2)---विनाक 1-2-84 से जहाँ किसी प्रधिकारी को बैंक द्वारा निवास स्थान नहीं किया जाता है वही वह प्रधिकारी एसे मकान किया जाने का पाल होगा जो उसके द्वारा अपने निवास स्थान के लिए मंदिन वास्तविक कियाये की उसके वेतनमान के प्रथम चरण (जिसमें प्रधिकारी को रखा गया है) के मूल वेतनमान के 10 प्रतिशत से प्रधिकारी के बराबर राणि होती है और ऐसी राणि की प्रधिकारी भीमा निम्नलिखित होती है।

जहाँ कावं का स्थान निम्नलिखित में से वहाँ मकान कियाया जाने की प्रधिकारी भीमा होती है।

1. (ग) घरेलू के बड़े शहर जैसा कि बोई द्वारा भारत सरकार के मार्गदर्शी मिड्डलों के अनुरूप उन्निलिखित है।

2. घोड़ा-1 जो कि उपरोक्त मद. मूल वेतन का 17½% प्रतिशत अवधा 500/- प्रतिमाह इनमें जो भी कम हो।

(1) के अन्तर्गत नहीं आता।

रु 400/- इनमें जो भी कम हो।

Provided that in any case, the officer shall not be eligible for the perquisites under such entitlement but shall be entitled only to such perquisites as are admissible to him under these regulations."

V. Also, W.e.f. 1-10-86 following Regulation 12(3) has been added to Regulation 12(3) of PSB(O) SR-1982 :—

"Any Officer who has exercised option referred to in sub-regulation (1) and continues to draw pay and allowances according to his entitlement in the service of the Bank immediately prior to the appointed date, in terms of sub-regulation (2) shall be allowed to opt for pay and allowances as applicable under these regulations on and from 1-2-84. On exercising such option, he will be fitted notionally on the appointed date into the new scale of pay in the manner referred to in regulation 8 and after granting him the increments he would have received in terms of these regulations up to 31-1-1984, he shall be fitted in the scale of pay set out in Regulation 4(1) as on 1-2-1984 in accordance with the guidelines of the Government issued thereunder.

Provided that if the aggregate of pay and allowances payable under these regulations to the officer after fitment as above is lower than the aggregate of pay and allowances that were payable to him as on 31-1-1984 before such fitment, the difference shall be paid to him as a personal allowance which shall be absorbed in the future increment to the extent of 33½ per cent of each such increment or 33½ per cent of the increase in the salary as a consequence of such increment whichever is lower."

VI. W.e.f. 1-10-86 Regulation 6(2) of PSB(O)SR-1982 has been amended as under :—

Regulation 6(2)—"For the purpose of categorisation of posts under sub-regulation(1), every branch of the Bank shall be classified by the Bank, in accordance with the criteria to be approved by the Government as Small, Medium, Large, Very Large or Exceptionally large category."

VII. W.e.f. 1-8-86 Regulation 19 of PSB(O)SR-1982 has been amended:

By inserting "/Committees" or "/Special Committees" after the words "Committee" or "Special Committee" wherever appearing in the said regulation.

VIII. W.e.f. 1-11-86 Regulation 41(1) of PSB(O)SR-1982 has been amended as under :—

"In Regulation 41(1), the words and figures "Rs 2,675/-" and "Rs. 3,000/-" wherever appearing therein have been substituted by the words and figures "Rs. 2,650/-" and "Rs. 2,925/-" respectively."

IX. W.e.f. 1-4-87 Regulation 22(3)(ii) of PSB(O)SR-1982 has been amended as under :—

Regulation 22(3)(ii).—"12 % of the Capital cost of the accommodation including the cost of the land and if the accommodation is part of a building, the proportionate share of the Capital Cost of the land attributable to that accommodation, excluding the cost of special fixtures like air-conditioners."

X. W.e.f. 1-1-87 Regulation 41(4) of PSB(O)SR-1982, has been amended as under :—

"41(4)—On and from 1-1-87, an Officer in the Grades/ Scales set out in Column 1 of the Table below shall be entitled to Halting Allowance at the corresponding rates set out in Column 2 thereof:—

Grades/Scales of Officers	(Daily Allowance (Rupees)		
	Major 'A' class cities	Area-I	Other Places
	1	2	3
Scale VI & VII	100.00	80.00	60.00
Scale IV & V	160.00	80.00	60.00
Scale II & III	70.00	60.00	50.00
Scale I	70.00	60.00	50.00

Provided that :—

- (a) Where the total period of absence is less than 8 hours, but more than 4 hours, Halting Allowance at half the above rates shall be payable.
- (b) Officers in various Grades/Scales may be reimbursed the actual hotel expenses, restricting to single room accommodation charges in ITDC hotels, subject to the limits given below :—

Grade/Scales of Officers	Eligibility to stay	BOARDING CHARGES(Rs.)			
		Major 'A' class cities	Area-I	Other Places	
	1	2	3	4	5
Scale VI & VII	4*Hotel	100.00	80.00	60.00	
Scale IV & V	3*Hotel	100.00	80.00	60.00	
Scale II & III	2*Hotel (Non-A.C.)	70.00	60.00	50.00	
Scale I	1*Hotel (Non-A.C.)	70.00	60.00	50.00	

- (c) Where free lodging is provided at the place of halt, 3/4th of the Halting Allowance will be admissible.
- (d) Where free boarding is provided at the place of halt, 1/2 of the Halting Allowance will be admissible.
- (e) Where free lodging and free boarding are provided at the place of halt, 1/4th of the Halting Allowance will be admissible.
- (f) A supplementary Diem Allowance of Rs. 5/- per day of halt outside headquarters on inspection duty may be paid to all inspecting officers.

EXPLANATION:

For the purpose of computing Halting Allowance "per diem" shall mean each period of 24 hours or any subsequent part thereof, reckoned from the reporting time for departure in the case of air travel and the scheduled time of departure.

in other cases, to the actual time of arrival. Where the total period of absence is less than 24 hours, "per diem" shall mean a period of not less than 8 hours."

XI. W.e.f. 1-1-87, Regulation 23(iv) of PSB (O) SR-1982 has been substituted by the following:-

"23(iv)—On and from 1-1-87 if an Officer is transferred from one place to another in the midst of an academic year and if he has one or more children studying in school or college, in the former place, a midacademic year transfer allowance of Rs. 150/- p.m. from the date he reports to the latter place upto the end of the academic year in respect of all the children, provided that such allowance shall cease if all the children cease studying at the former place."

XII. W.e.f. 1-1-85, Regulation 23 (vi) of PSB (O) SR-1982, has been substituted by the following:-

"23(vi)—On and from 1-1-85, if he is required to officiate in a post in a higher scale for continuous period of not less than 7 days at a time or an aggregate of 7 days during a calendar month, he shall receive an Officiating Allowance equal to 10% of his pay, subject to a maximum of Rs. 250/- p.m. for the period for which he officiates. Officiating Allowance will rank as pay for purposes of Provident fund and not for any other purposes.

Provided that where an officer comes to officiate in a higher scale, as a consequence solely of the review of the categorisation of posts under Regulation 6, he shall not be eligible for the Officiating Allowance for a period of one year from the date on which the review of the categorisation takes effect."

XIII. W.e.f. 1-1-85, Regulation 23(x) of PSB (O) SR-1982 has been substituted by the following:-

"23(x)—On and from 1-1-1985, if he is serving in a place mentioned in column 1 of the Table below, a Hill and Fuel Allowance at the rate mentioned in column 2 thereof against that place:-

TABLE

Places	Rates
1	2
Offices at altitudes of and over 1500 meters above Mean Sea Level	10% of pay subject to a maximum of Rs. 130/- p.m.
Offices at altitudes of and over 1000 meters but below 1500 meters above Mean Sea Level.	8% of pay subject to a maximum of Rs. 100/- p.m.

XIV. W.e.f. 1-1-1987, in Regulation 24(1)(b) of PSB (O) SR-1982, the following clause has been added as clause (v) after clause (iv):—

"24 (1)(b)(v)—On and from 1-1-87, Medical expenses incurred in respect of the following diseases which need domiciliary treatment as may be certified by the recognised hospital authorities and Bank's medical officer shall be deemed as hospitalisation expenses and reimbursed to the extent of 75% in the case of an officer and 50% in the case of his family members:—

Cancer, Tuberculosis, Paralysis, Cardiac Ailment, Tumour, Small Pox, Pleuresy, Diphtheria, Leprosy, Kidney Ailment."

XV. W.e.f. 1-1-87, Regulation 42 (2)(ii) of PSB (O) SR-1982 shall be substituted by the following:—

"42(2)(ii)—On and from 1-1-1987, if an Officer eligible for full wagon avails of the facility of 'Container Service' by railways, he will be reimbursed actual charges for one container if he is in Junior or Middle Management Grade and for two containers if he is in Senior or Top Management Grade. If the baggage is transported by road between places connected by rail, the reimbursement will be limited to the actual freight charges against submission of bills subject to the cost not exceeding the cost of transport of the maximum permissible quantity by goods train. If there is no railway station or railway out agency at the old or new place of posting, the officer will be paid the actual cost of transporting the baggage by road upto the nearest railway station or railway out agency. If both the places do not have railway station/out agency, the officer will be actual cost of transporting the baggage by road upto the stipulated weights by an approved transport operator."

XVI. W.e.f. 1-1-87, Regulation 42(3) of PSB (O) SR-1982 has been substituted by the following:—

"42(3)—On and from 1-1-1987, an officer on transfer will be eligible to draw a lump sum amount as indicated below for expenses connected with packing, local transportation, insuring the baggage, etc.

Grade	Lump sum
Top Management and Senior Management	Rs. 1500/-
Middle Management and Junior Management	Rs. 1000/-

XVII. W.e.f. 1-1-87, Regulation 44(ii) has been substituted by the following:—

"44(ii)—On and from 1-1-87, once in every four years, when an officer avails of Leave Travel Concession, he may be permitted to surrender and encash his Privilege Leave not exceeding one month at a time. For the purpose of leave encashment all the emoluments payable for the month during which the availment of the Leave Travel Concession commences shall be admissible.

Provided that an Officer at his option shall be permitted to encash one day's additional privilege leave for donation to the Prime Minister's Relief Fund subject to his giving a letter to the Bank to that effect and authorising the Bank to remit the amount to the Fund."

XVIII. W.e.f. 1-1-1985, at the end of Regulation 5(1) of PSB (O) SR-1982, the following proviso has been added:—

"Provided that on and from 1-1-1985, those officers in Junior Management Grade Scale-I and Middle Management Grade Scale II & III who reach the maximum of their pay scale shall be granted stagnation increments equivalent to the last increment for every five completed years of service after reaching the maximum in the respective scales, subject to a maximum of two such increments for officers

in Junior Management Grade Scale I and one such increment for Officers in Middle Management Grade Scale II & III.

In case of those officers who have completed more than 5 years of service at the maximum of the respective scales, the first such stagnation increment will be granted effective from the date on which it falls due or from 1st January, 1985, whichever is later, but the second such increment shall be granted to those eligible not earlier than 1st January, 1987.”

XIX. W.e.f. 1-2-84, at the end of Regulation 5(2) of PSB (O) SR—1982, the following proviso has been added—

“Provided that on and from 1-2-84, those officers who have reached the maximum of their pay scales, professional qualification allowance of Rs. 100/- p.m. shall be granted for passing Part I of C.A.I.I.B. Examination after they complete one year at the maximum in the scale of pay and Rs. 200/- p.m. for passing both parts of C.A.I.I.B. Examination after they complete two years at the maximum in the scale of pay.”

XX. W.e.f. 1-2-1984, Regulation 22(2) of PSB (O)SR-1982 has been substituted by the following:—

“22(2)—On and from 1-2-1984, where an officer is not provided with residential accommodation by the Bank he shall be eligible for house rent allowance being a sum equivalent to the excess of the actual rent paid by him for his residential accommodation over 10% of the pay in the

first stage of the scale of pay in which he is placed, such sum being subject to the following rates:—

Where the place of work is in	HRA payable shall be
(i) Major 'A' Class cities specified as such from time to time by the Board in accordance with the guidelines of the Government and Project Area Centres in Group 'A'.	17½% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 500/- p.m.
(ii) Area I not covered by item (i) above and Project Area Centres in Group 'B'.	15% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 400/- p.m.
(iii) Area II and State Capitals and Capitals of Union Territories not covered by I and II above.	12½% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 300/- p.m.
(iv) Area-III	10% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 250/- p.m.

NOTE: House Rent Allowance as above shall be paid on production of rent receipts, except that an Officer may claim house rent allowance on certificate basis at the above rates subject to maximum as under:—

Major 'A' Class Cities and Project Area Centres in Group 'A'. Maximum Rs. 275/-

Other places in Area I and Project Area Centres in Group 'B'. Maximum Rs. 225/-

Area II and State Capitals and Capitals of Union Territories. Maximum Rs. 165/-

Area III. Rs. 110/- (fixed).”

N.S. GUJRAL, Dy. Gen. Manager (Personnel).